



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 101]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 15, 2018/फाल्गुन 24, 1939

No. 101]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 15, 2018/PHALGUNA 24, 1939

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 2017

सं. ए एफ/स्था./2/499.—ओरोविल प्रतिष्ठापन शासी बोर्ड, ओरोविल प्रतिष्ठापन अधिनियम, 1988 (1988 का 54) की धारा 32 की उपधारा (2) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केंद्रीय सरकार के अनुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

### भाग 1

#### प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम – (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम ओरोविल प्रतिष्ठापन (शासी बोर्ड द्वारा कारबार का संचालन) विनियम, 2017 है।

(2) ये उनके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं – इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

- (क) “अधिनियम” से ओरोविल प्रतिष्ठापन अधिनियम, 1988 अभिप्रेत है ;
- (ख) “स्पष्ट दिन” से सूचना जारी करने और अधिवेशन की तारीख को छोड़कर दिन अभिप्रेत हैं ;
- (ग) “अध्यक्ष” से अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (2) के अधीन नामनिर्दिष्ट शासी बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है ;
- (घ) “सरकार” से केंद्रीय सरकार अभिप्रेत है ;
- (ङ) “सदस्य” से अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन नामनिर्दिष्ट शासी बोर्ड का सदस्य अभिप्रेत है ;
- (च) “पीठासीन अधिकारी” से बोर्ड के अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहा अध्यक्ष या अध्यक्ष द्वारा उसकी अनुपस्थिति में बोर्ड के अधिवेशन में अध्यक्षता करने वाला नामनिर्दिष्ट बोर्ड का सदस्य अभिप्रेत है ;
- (छ) “गणपूर्ति” से पीठासीन अधिकारी सहित कम से कम चार उपस्थित सदस्य अभिप्रेत हैं ;

- (ज) “सचिव” से अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन प्रतिष्ठापन द्वारा नियुक्त सचिव अभिप्रेत है ;
- (झ) “नियम” से अधिनियम की धारा 31 की उपधारा (1) के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा बनाए गए नियम अभिप्रेत हैं ; और
- (ञ) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ।

(2) सभी शब्द और पद, जो इसमें उपयोग किए गए हैं, किंतु परिभाषित नहीं हैं, परंतु अधिनियम और ओरोविल प्रतिष्ठापन नियमों में परिभाषित हैं, का क्रमशः वही अर्थ होगा जो उनका उक्त अधिनियम और नियमों में है ।

## भाग 2

### शासी बोर्ड के अधिवेशनों में कारबार का संचालन करने की प्रक्रिया

**3. साधारण अधिवेशन –** (1) बोर्ड किसी वित्त वर्ष के दौरान ओरोविल में एक बार ऐसे समय और ऐसे स्थान पर अधिवेशन करेगा जैसा अध्यक्ष द्वारा नियत किया जाए ।

(2) अध्यक्ष किसी वित्त वर्ष के दौरान उतने अधिवेशन कर सकेगा जितना वह समय-समय पर इस निमित्त आवश्यक समझे ।

**4. विशेष अधिवेशन –** (1) अध्यक्ष, जब भी वह ऐसा करना आवश्यक और उचित समझे, बोर्ड का विशेष अधिवेशन बुला सकेगा ।

(2) अध्यक्ष तीन से अन्तून सदस्यों के लिखित अनुरोध की प्राप्ति पर ऐसे अनुरोध की प्राप्ति के 21 स्पष्ट दिन के भीतर बोर्ड का विशेष अधिवेशन बुलाएगा ।

(3) विशेष अधिवेशन का अनुरोध करने वाले सदस्य अपने लिखित अनुरोध के साथ विशेष अधिवेशन में विचार-विमर्श के लिए उनके द्वारा प्रस्तावित एजेंडा पर एक विस्तृत टिप्पण भेजेंगे । ऐसे एजेंडा की अनुपस्थिति में अध्यक्ष विशेष अधिवेशन आयोजित करने के संबंध में विनिश्चय कर सकेगा ।

**5. अधिवेशनों की सूचना और एजेंडा –** (1) सचिव सभी सदस्यों को अधिवेशन की तारीख, समय और स्थान को विनिर्दिष्ट करते हुए साधारण अधिवेशन के लिए 30 स्पष्ट दिनों की सूचना और विशेष अधिवेशन के लिए 15 दिन की सूचना देगा ;

(2) सचिव, अध्यक्ष द्वारा सम्यक्तः अनुमोदित साधारण अधिवेशन के लिए एजेंडा को सभी सदस्यों को साधारण अधिवेशन की तारीख से 15 स्पष्ट दिन पूर्व परिचालित करेगा ;

(3) जहां विनियम 4 के उपविनियम (2) के अधीन सदस्यों के लिखित अनुरोध पर विशेष अधिवेशन बुलाया जाता है तो सचिव विनियम 4 के उपविनियम (3) में निर्दिष्ट विस्तृत टिप्पण की प्रति के साथ अधिवेशन की सूचना सभी सदस्यों को भेजेगा ।

**6. एजेंडा में सम्मिलित नहीं किए गए अतिरिक्त विषय –** विनियम 5 में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी अध्यक्ष या पीठासीन अधिकारी बोर्ड के विचारण के लिए अधिवेशन के एजेंडा में सम्मिलित नहीं किए गए किसी विषय को रखना अनुज्ञात कर सकेगा या रख सकेगा जिस पर बोर्ड की सलाह अपेक्षित है और बोर्ड यह विनिश्चय करेगा कि क्या उस विषय पर अधिवेशन में विचार किया जाएगा और यदि विनिश्चय उस पर विचार करने का किया जाता है तो बोर्ड उस विषय पर विचार करेगा और उसका निपटान करेगा ।

**7. सदस्यों द्वारा संकल्प –** कोई सदस्य, जो किसी साधारण अधिवेशन में प्रतिष्ठापन से संबंधित विषयों पर कोई संकल्प लाना चाहता है तो वह ऐसे संकल्प की सूचना सचिव को अधिवेशन की तारीख से कम से कम 7 स्पष्ट दिन पूर्व भेजेगा ।

**8. अधिवेशनों का पीठासीन अधिकारी –** (1) अध्यक्ष, बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा ।

(2) अध्यक्ष उसके निमित्त अधिवेशनों की अध्यक्षता करने के लिए बोर्ड के किसी सदस्य को नामनिर्दिष्ट करेगा जब अध्यक्ष किसी अधिवेशन, जिसे स्थगित नहीं किया जा सकता है, की अध्यक्षता करने में असमर्थ है । अध्यक्ष अधिवेशन की तारीख से कम से कम 7 स्पष्ट दिन पूर्व सदस्यों को पीठासीन अधिकारी के नाम को अधिसूचित करेगा ।

**9. किसी अधिवेशन का स्थगन और रद्द किया जाना –** (1) अध्यक्ष अपनी अधिवेशन में अध्यक्षता करने में असमर्थता के कारण बोर्ड के किसी अधिवेशन को स्थगित कर सकेगा :

परंतु स्थगित किया गया अधिवेशन तीन मास से अधिक युक्तियुक्त अवधि के भीतर आयोजित किया जाएगा और ऐसे स्थगन की संसूचना सदस्यों को अधिवेशन की तारीख से कम से कम 7 स्पष्ट दिन पूर्व दी जाएगी ।

(2) अध्यक्ष विधिमान्य कारणों से, कारणों को लेखबद्ध करते हुए, स्वःप्रेरणा से या बोर्ड के किसी सदस्य के अनुरोध पर अधिवेशन को रद्द कर सकेगा । ऐसे रद्द करने की संसूचना अधिवेशन के लिए नियत तारीख से कम से कम 7 स्पष्ट दिन पूर्व सदस्यों को दी जाएगी ।

**10. कारबार का संचालन** — (1) किसी अधिवेशन में तब तक कारबार का संव्यवहार नहीं किया जाएगा जब तक कि गणपूर्ति न हो।

(2) सदस्यों के लिखित अनुरोध पर बुलाए गए विशेष अधिवेशन की दशा में अध्यक्ष, यदि अधिवेशन का अनुरोध करने वाले सदस्य अधिवेशन के लिए नियत समय पर और तत्पश्चात् 30 मिनट के लिए अधिवेशन के स्थान पर उपस्थित न हों तो अधिवेशन को रद्द कर सकेगा :

परंतु उस दशा में जब सदस्यों में से केवल एक सदस्य, जिन्होंने अधिवेशन की अध्यक्षता की है, अधिवेशन में उपस्थित हैं तो अधिवेशन एंजेडा पर विचार करने के लिए आयोजित किया जाएगा और ऐसे अधिवेशन में किया गया कोई विनिश्चय अंतिम और सभी सदस्यों, जिसके अंतर्गत वे अनुपस्थित सदस्य, जिन्होंने अधिवेशन की अध्यक्षता की थी, पर बाध्यकर होगा।

(3) अध्यक्ष किसी अधिवेशन के लिए प्रक्रिया का अवधारण करेगा जो इन विनियमों के उपबंधों से असंगत नहीं होगी।

(4) अध्यक्ष जब भी वह उचित समझे, किसी संकल्प के प्रारूप का सदस्यों के बीच किसी विषय का विनिश्चय करने के लिए परिचालन करेगा, जिस पर शासी बोर्ड के परामर्श की अपेक्षा है।

**11. स्थगन** — किसी साधारण अधिवेशन की दशा में, जिसमें नियत समय पर और तीस मिनट के पश्चात् गणपूर्ति नहीं है तो वह ऐसी अवधि के लिए, जो यथास्थिति, अध्यक्ष या पीठासीन अधिकारी उद्घोषित करे और मूल अधिवेशन के समक्ष लाया जाने वाला कारबार स्थगित अधिवेशन के समक्ष लाया जाएगा और ऐसे अधिवेशन में या किसी पश्चातवर्ती स्थगित अधिवेशन में गणपूर्ति के होते हुए भी उसका निपटान किया जाएगा।

**12. सहमति से विनिश्चय** — (1) अधिवेशन में लिए गए सभी विनिश्चय सभी उपस्थित सदस्यों की सहमति से होंगे और अंतिम और बाध्यकर होंगे।

(2) शासी बोर्ड उसके समक्ष लाए गए सभी मामलों का विनिश्चय सहमति से करेगा और जिसके न हो सकने पर उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के बहुमत से किया जाएगा।

(3) यथास्थिति, अध्यक्ष या पीठासीन अधिकारी का मामले का मतदान द्वारा विनिश्चय किए जाने की दशा में मतों के समान होने की दशा में द्वितीय या निर्णायक मत होगा।

**13. कार्यवृत्त** — (1) सचिव, प्रारूप कार्यवृत्त को तैयार करेगा और उन्हें, यथास्थिति, अनुमोदन के लिए अध्यक्ष या पीठासीन अधिकारी को अधिवेशन के तीस दिन के भीतर प्रस्तुत करेगा तथा कार्यवृत्त को सदस्यों को और ऐसे अन्य व्यक्तियों तथा प्राधिकारियों को परिचालित किया जाएगा जैसा अध्यक्ष निदेश करे।

(2) कार्यवृत्त को अनुमोदित और अंतिम माना जाएगा जब तक कि किसी सदस्य द्वारा अनुमोदित कार्यवृत्त की प्राप्ति से 15 दिन के भीतर कोई लिखित आक्षेप न दिया जाए।

(3) कार्यवृत्त की वह मद, जिस पर आक्षेप किया गया है, को पश्चातवर्ती अधिवेशन में शासी बोर्ड के विचारण के लिए रखा जाएगा।

(4) सचिव, ऐसे अनुमोदित कार्यवृत्त की प्रति शासी बोर्ड के समक्ष उसके पश्चातवर्ती अधिवेशन में रखेगा।

**14. व्यावृत्ति** — इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व शासी बोर्ड द्वारा लिए गए सभी विनिश्चय विधिमान्य होंगे और उन्हें अभिभावी प्रक्रियाओं के अनुसार सदभावपूर्वक लिया गया समझा जाएगा।

मोहन वर्गीज चुकाथ, आईएएस (रिटा.), सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./453/17]

## MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Higher Education)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 11th August, 2017

**No. AF/Estt./2/499.**—In exercise of the powers conferred by clause(a) of sub-section(2) of section 32 of the Auroville Foundation Act, 1988 ( 54 of 1988) and with the approval of the Central Government, the Governing Board of the Auroville Foundation hereby makes the following regulations namely :-

**PART- I****PRELIMINARY**

- 1. Short title.-** (1) These Regulations may be called the Auroville Foundation (Conduct of Business by the Governing Board) Regulations 2017.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.-** (1) In these regulations, unless the context otherwise requires,-
- (a) "Act" means the Auroville Foundation Act, 1988;
  - (b) "clear day" means the day exclusive of the day of issue of a notice and the day of meeting;
  - (c) "Chairman" means the Chairman of the Governing Board nominated under sub-section (2) of section 11 of the Act;
  - (d) "Government" means the Central Government;
  - (e) "member" means a member of the Governing Board nominated under sub-section (1) of section 11 of the Act;
  - (f) "Presiding Officer" means the Chairman presiding over a meeting of the Board or a member of the Board designated by the Chairman to preside over a meeting of the Board in his absence;
  - (g) "quorum" means at least four members present, including the Presiding Officer;
  - (h) "Secretary" means the Secretary to the Foundation appointed under sub-section (1) of section 15 of the Act;
  - (i) "rules" means the rules made by the Central Government under sub-section (1) of section 31 of the Act; and
  - (j) "section" means a section of the Act.
- (2) All other words and expressions used herein and not defined but defined in the Act, and the Auroville Foundation rules shall have the meanings respectively assigned to them in the said Act and rules.

**PART- II****PROCEDURE FOR CONDUCT OF BUSINESS AT THE MEETINGS OF THE GOVERNING BOARD**

- 3. Ordinary meeting.-** (1) The Governing Board shall meet at least once during a year in Auroville, at such time as may be fixed by the Chairman.
- (2) The Chairman may hold as many meetings during the same year at such time and venue as he may consider necessary.
- 4. Special meeting.-** (1) The Chairman may call upon a special meeting of the Governing Board, whenever he considers it necessary and appropriate.
- (2) The Chairman, upon receiving a written request from not less than three members, shall convene a special meeting of the Governing Board within twenty-one clear days from the receipt of such a request.
- (3) The members requesting for a special meeting shall send, along with their written request, a detailed note on the agenda proposed by them for discussion at the special meeting and in the absence of such an agenda, the Chairman may decide about convening the special meeting.
- 5. Notice and agenda of meetings.-** (1) The Secretary shall give notice of thirty clear days for the ordinary meeting and notice of fifteen clear days for the special meeting to all the members, specifying the date, time and venue of the meeting.
- (2) The Secretary shall circulate the agenda of the ordinary meeting, duly approved by the Chairman, to all the members, fifteen clear days in advance of the date of the ordinary meeting.

(3) Where a special meeting is called upon on the written request of the members under sub-regulation (2) of regulation 4, the Secretary shall send a copy of the detailed note referred to in sub-regulation (3) of regulation 4 along with the notice of the meeting to all the members.

**6. Additional matter not included in agenda.-** Notwithstanding anything contained in regulation 5, the Chairman or the Presiding Officer may place or permit to place for the consideration of the Governing Board any matter not included in the agenda of the meeting on which the advice of the Governing Board is required and the Governing Board shall decide whether the matter shall be considered at the meeting and, if the decision is to consider it, the Governing Board shall consider the matter and dispose it.

**7. Resolution by members.-** Any member who desires to move a resolution on the matters relating to the Foundation at any ordinary meeting shall send notice of such a resolution to the Secretary at least seven clear days before the date of the meeting.

**8. Presiding at meetings.-** (1) The Chairman shall ordinarily preside over every meeting of the Governing Board.

(2) The Chairman shall nominate a member of the Governing Board to preside over a meeting on his behalf when Chairman is unable to preside over a meeting, which cannot be postponed and the Chairman shall inform the name of such Presiding Officer to all the members of the Governing Board.

**9. Postponement or Cancellation of meeting.-** (1) The Chairman may postpone any meeting of the Governing Board due to his inability to preside over it:

*provided* that the postponed meeting shall be held within a reasonable period not exceeding forty-five days from the date of postponement and such postponement shall be intimated to the members at least seven days before the date of the meeting.

(2) The Chairman may, for valid reasons to be recorded in writing, cancel the meeting *suo motu* or at the written request of any two members of the Governing Board and such cancellation shall be intimated to the members of the Governing Board.

**10. Conduct of business.-** (1) No business shall be transacted at any meeting unless there is quorum.

(2) In case of special meeting called for at the written request of the members, the Chairman may cancel the meeting, if the members requesting the meeting are not present at the venue at the appointed time of the meeting and thereafter for thirty minutes:

*Provided* that in case even if only one of the members who requisitioned the meeting is present, the meeting shall be held to consider the agenda and any decision taken in such meeting shall be final and binding upon all the members including the absentee member who requisitioned the meeting.

(3) The Chairman shall determine the procedure for any meeting that shall not be inconsistent with the provisions of these regulations.

(4) The Chairman may, whenever it is deemed fit, circulate a draft of any resolution amongst the members to decide any matter on which advice of the Governing Board is required.

**11. Adjournment.-** In case of the ordinary meeting not having quorum at the appointed time and after thirty minutes, it shall stand adjourned for such duration as may be announced by the Chairman or Presiding Officer, as the case may be and the business that would have been brought before the original meeting shall be brought before the adjourned meeting and may be disposed of at such meeting or any subsequent adjourned meeting irrespective of the quorum.

**12. Decision by consensus.-** (1) All decisions taken at any meeting shall be by consensus of all members present and shall be final and binding.

(2) The Governing Board shall decide all matters brought before it by consensus and failing which, by majority of the votes of the members present and voting.

(3) The Chairman or the Presiding Officer, as the case may be, shall have a second or casting vote in case of a tie in votes when a matter is being decided by voting.

**13. Minutes.-** (1) The Secretary shall prepare and submit the draft minutes to the Chairman or the Presiding Officer, as the case may be, for approval within thirty days of the meeting and the minutes shall be circulated to the members and such other persons and authorities as the Chairman may direct.

(2) The minutes shall be considered as approved and final unless there is any objection to be given in writing by any member within fifteen days from the receipt of the approved minutes.

(3) The item of minutes on which any objection has been raised shall be placed for consideration of the Governing Board in subsequent meeting.

(4) The Secretary shall place a copy of such approved minutes before the Governing Board, in its subsequent meeting.

**14. Saving :-** All decisions taken by the Governing Board prior to the notification of these regulations shall be valid and shall be deemed to have been taken in good faith as per the procedures prevailing.

MOHAN VERGHESE CHUNKATH, IAS (Retd.), Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./453/17]